

न्यायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक शोभानाथ विश्वकर्मा.....प्रथम पक्ष

पक्ष बनाम परमेश्वर राणा.....द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता०सेतक
जिला गिरिडीह।

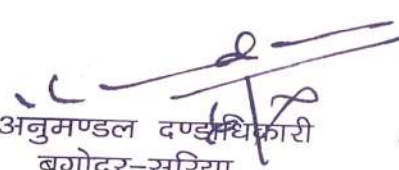
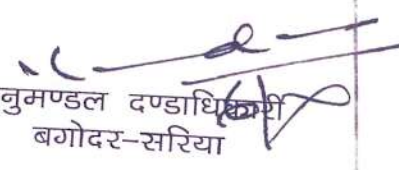
विविध वाद संख्या 119सन् 2022

धारा 144 द०प्र०स०

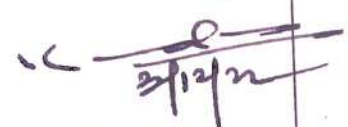
आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3

आवेदक/आवेदिका शोभानाथ विश्वकर्मा पे० स्व० दर्शन राणा, साकिन-मंझिलाडीह, थाना-बिरनी, जिला-गिरिडीह द्वारा द०प्र०स० की धारा 144 के अंतर्गत विवादित भूमि मौजा-मंझिलाडीह, अंतर्गत खाता नं०-15, प्लॉट नं०-701, रकवा-9.5 डी०, चौहद्दी: 30-सुन्दर मिस्त्री वगै०, द०-राजु मिस्त्री वगै०, पू०-बलदेव मिस्त्री, प०-प्रमेश्वर मिस्त्री में भू-विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु आवेदन दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जाँच/मंतव्य अंचल अधिकारी/थाना प्रभारी, बिरनी से मांगे।


अनुमंडल दण्डाधिकारी
बगोदर-सरिया

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख उपस्थापित। थाना प्रभारी/अंचल अधिकारी <u>बिरजी</u> के ज्ञापांक सं०...<u>19.12.22</u> दिनांक <u>06.07.22</u> के द्वारा समर्पित किया गया जॉच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद मैं संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं टकराव के लिए तत्पर हैं। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।</p> <p>इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द० प्र० सं० के अंतर्गत कार्यवाई प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है। साथ ही उभय पक्षों से दिनांक <u>20/7/22</u> को कारणपृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पूष्ट किया जाय।</p> <p>अभिलेख दिनांक <u>20/7/22</u> को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित।</p> <p style="text-align: center;">  अनुमण्डल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया </p> <p style="text-align: center;">  अनुमण्डल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया </p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
3/12/22	<p>प्रशासन बाद प्रथम पक्ष के आवेदन के आलोच में शरहम किया गया। उभय पक्ष को नोटिस निर्गत कर कारण प्रह्ला की मांग की गई।</p> <p>प्रथम पक्ष के अनुसार प्रशासन भूमि उन्हें निबंधित विडम पत्र सं० - 43, दिनांक - 7.1.22 के माध्यम से हासिल है। उक्त भूमि के कुछ के परधान मगानार दरबल कर रहे हैं। डिलीय पक्ष उक्त भूमि को जबरन कब्जा करना चाह रहे हैं।</p> <p>डिलीय पक्ष उपलिय न होकर भी आदेशानुसार कारण प्रह्ला दाखिल नहीं किये।</p> <p>धाना प्रभारी, बिरनी के प्रतिबंदन के अउ लार प्रशासन भूमि परनी है तथा उभय पक्ष अपना-अपना दावा कर रहे हैं। डिलीय पक्ष एजीमे-र के आधार पर उक्त जमीन पर अपना दावा कर रहे हैं।</p> <p>Registration Act, 1908 के Part-III में वर्णित प्रावधानों</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>के अनुसार पंजीकृत दस्तावेज के आधार पर ही सम्पत्ति हस्तान्तरण हो सकता है, अन्य: द्वितीय पक्ष का दावा विधि सम्मान है।</p> <p>उक्त विवेचन के आलोक में नियम को प्रथम पक्ष के हित में रिवन किया जाना है तथा द्वितीय पक्ष के विरुद्ध निरपेक्ष जोड़िन किया जाना है।</p> <p>यह आदेश र. उ. स. की धारा 144(प) के अन्तर्गत परिचालित होगा।</p> <p>वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p> <p style="text-align: right;">  S. D. M. Bagodar, Suigad. </p>	